सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स स्कूल

एडजेसेंट नवनीतिअपार्टमेंट ,आई.पी.एक्सटेंशन,

पटपडगंज,दिल्ली – ११००९२

सत्र: २०२५-२६

कक्षा:-7	**विषय: हिंदी पाठ्यपुस्तक**	**पाठ:7 ईमानदार बालक**

मौखिक कौशल

1. सामान बेचने वाले बालक का नाम वसंत था।

2. कृष्ण कुमार राजकिशोर जी के परिचित थे।

3. प्रताप राजकिशोर जी का घर ढूँढ़ रहा था।

4. वसंत भीखू महाजन के घर में रहता था।

लिखित कौशल

1. (क) बसंत ने राजकिशोर जी के पास पहुँचकर कहा कि साहब। बटन लीजिए, देशी बटन। साहब। माचिस लीजिए।

(ख) कृष्ण कुमार ने लड़के के बारे में राय दी थी कि बाजार के हर कोने पर आजकल ऐसे लड़के मिलते हैं जिनका काम गिड़्गिड़ाकर लोगों को ठगना है।

(ग) वसंत मोटरगाड़ी के नीचे आ गया था इसलिए रुपए छुट्टे कराकर वापस नहीं लौटा था।

(घ) प्रताप ने अपने माता-पिता के बारे में बतलाया कि पिछले वर्ष जो दंगा हुआ था, उसमें हमारे माँ-बाप को किसी ने मार डाला था।

(ङ) राजकिशोर जी ने मानसिंह को आदेश दिया कि में दक्खिन टोला जा रहा हूँ। तुम इसी समय डॉक्टर को लेकर वहाँ जल्दी आओ। भीलू महाजन का घर पूछ लेना।

(च) डॉक्टर साहब ने बसंत के पैरों की जाँच करके कहा कि ऐसा लगता है कि एक पैर की हड्डी टूट गई है। इसे अभी अस्पताल ले जाना चाहिए।

(छ) बसंत ईमानदार बालक है इसलिए राजकिशोर जी बसंत की मदद करना चाह रहे थे।

2. (ग) (ख) (२) (च) (क) (ङ)

मूल्यपरक प्रश्न

1. बसंत मोटरगाड़ी के नीचे आकर घायल हो गया था इसलिए राजकिशोर जी के छुट्टे पैसे नहीं लौटा पाया था। बसंत को लगा कि कहीं राजकिशोर जी उसे चोर न समझें। इस वाक्य से बसंत के चरित्र के बारे में पता चलता है कि यह एक ईमानदार बालक है।

2. राजकिशोर जी ने ऐसा इसलिए कहा था यदि बसंत के साथ दुर्घटना न होती तो वह उनके पैसे लौटा देता। चोट लगने के बाद भी वसंत को पैसे न लौटा पाने का दुख है। इससे राजकिशोर जी के व्यक्तित्व के बारे में पता चलता है कि वे दूसरों के अंदर छिपे गुणों को पहचानने का अच्छा अनुभव रखते थे और गरीबों की मदद करने के लिए भी तैयार रहते थे।